आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः प 8(प्राचार्य सम्मेलन)/आकाशि/14/963 दिनांकः 13 जून ,2016

प्राचार्य,
समस्त राजकीय/निजी महाविद्यालय,
राजस्थान।

विषयः वृक्षारोपण एवं जल स्वावलंबन जनजागृति अभियान के संबंध में।

महोदय,

पर्यावरणीय परिस्थितियों में निरन्तर गिरावट, पानी की कमी, निरन्तर बढ़ता हुआ तापमान मनुष्य द्वारा प्रकृति के शोषण का परिणाम है। यदि हम अब भी नहीं संभले तो आने वाला समय अत्यन्त कठिन एवं हर दृष्टि से अभावयुक्त होगा। इस परिस्थिति से बचने एवं पर्यावरण की रक्षा हेतु केवल दो उपाय कर लिये जावें तो समस्या का समाधान संभव हैः–

1. वृक्षारोपण एवं संवर्धन
2. जल स्वावलंबन/संरक्षण

उक्त विषय को दृष्टिगत कर समस्त प्राचार्यों को निर्देशित किया जाता है कि जुलाई के प्रथम पखवाड़े में निम्न दो कार्यक्रमों में योजनापूर्वक, पूर्ण श्रम, शक्ति और ऊर्जा के साथ कार्य संपन्न करें।

1. वृक्षारोपण महाअभियान (मानसून अवधि के दौरान)–

- प्रत्येक राजकीय/निजी महाविद्यालय अपनी कुल छात्र संख्या का न्यूनतम 10–15 प्रतिशत अथवा 100 वृक्ष (जो भी अधिक हो) लगायेंगे।
- वृक्षारोपण का कार्य महाविद्यालय परिसर के अलावा, परिसर से बाहर, सार्वजनिक स्थानों, सड़क के किनारे, बस स्टॉप, अस्पताल एवं स्कूलों के आस–पास किया जावे।
- महाविद्यालय परिसर के अंदर एवं आस–पास लगाये वृक्षों की सार–संभाल की जिम्मेदारी महाविद्यालय की होगी। अन्यत्र लगाये वृक्षों के संवर्धन एवं देखरेख की जिम्मेदारी स्थानीय नागरिकों को वृक्ष गोद लेने हेतु प्रेरित कर दी जा सकती है। लगाये गये वृक्षों के स्थान आदि की जानकारी स्थानीय निकाय/वन विभाग को दी जावे।
- वृक्षारोपण के कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं को शामिल किया जावे।
- यह प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला कार्यक्रम है। अतः वृक्षारोपण हेतु आवश्यक उपकरण (फावडा, कुदाल, परात, बाल्टी आदि) एवं पौधे छात्र निधि/विकास समिति के माध्यम से क्रय किये जा सकते है।
- जून के द्वितीय सप्ताह में ही संबंधित नर्सरी से संपर्क कर लगाये जाने वाले पौधों की संख्या बता दी जावे ताकि उक्त अभियान हेतु समय पर पौधे उपलब्ध हो सके।
- उक्त कार्य हेतु स्थानीय समाजसेवी संगठनों का सहयोग भी लिया जावे।

2. जल स्वावलंबन जनजागृति अभियान (01से 15 जुलाई तक)

विभिन्न ग्राम/बस्ती स्तर पर जल का महत्व, आवश्यकता का आंकलन, संरक्षण के उपाय एवं किफायती उपयोग के बारे में जागृति उत्पन्न करने के साथ ही **"मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान"** के संबंध में नागरिकों को जानकारी देने एवं उनसे सक्रिय रूप में इस अभियान से जुड़ने एवं सहयोग करने हेतु प्रेरित करने की दृष्टि से **"जल स्वावलंबन जनजागृति अभियान"** चलाया जावे। महाविद्यालय के एन.एस. एस., एन.सी.सी., स्काउट–गाईड अधिकारी एवं वरिष्ठ स्वयंसेवकों के नेतृत्व में विद्यार्थियों की विभिन्न टोली गठित कर चयनित ग्राम/बस्तियों में जाकर उक्त अभियान के अन्तर्गत अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने एवं सहयोगी की भूमिका में लाने का कार्य करना है। इस हेतु स्थानीय प्रशासन से संपर्क कर "मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान" के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लेवे एवं 11 जुलाई से पूर्व ही उक्त अभियान के संबंध में संपूर्ण कार्य योजना बना ली जावे।

उक्त दोनों कार्यक्रम अत्यन्त महत्वपूर्ण है। अतः सभी विद्यार्थियों को इनकी जानकारी देते हुये उन्हें प्रेरित कर उनके सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें।

भवदीय,

(अनूप खींची IAS),
आयुक्त कॉलेज शिक्षा एवं
संयुक्त शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
राजस्थान, जयपुर

दिनांकः 13 जून ,2016

क्रमांकः प 8(प्राचार्य सम्मेलन)/आकाशि/14/263

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, संस्कृत, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, सैनिक कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर ।
2. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
3. संयुक्त निदेशक, निजी संस्थायें को प्रेषित कर लेख है कि निजी महाविद्यालयों हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी लगाये गये वृक्षों की महाविद्यालय वार संख्या एवं जल स्वावलंबन जनजागृति अभियान की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्रीय सहायक निदेशकों को प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित करें ताकि क्षेत्रीय कार्यालयों से समग्र रिपोर्ट प्राप्त हो सके।
4. समस्त सहायक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय को निर्देशित किया जाता है कि उक्त कार्यो की मॉनिटरिंग कर आपके क्षेत्र में आने वाले महाविद्यालयों द्वारा लगाये गये वृक्षों की महाविद्यालय वार संख्या एवं जल स्वावलंबन जनजागृति अभियान की रिपोर्ट 29.07.2016 तक आयुक्तालय को प्रस्तुत करें।
5. वेबसाईट प्रभारी, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।

संयुक्त निदेशक,
कॉलेज शिक्षा, राज0, जयपुर